दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 194
मुरादाबाद
(Tuesday)
03 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सपा पर योगी का तीखा हमलाः बोले- यूपी के लिए श्राप, सत्ता में आते ही मचाती है तबाही;कारसेवकों पर चलवाई थी गोली

कुम्हार के श्रम और किसान की उपज को मिली खुशहाली;योगी बोले- परिवार की आजीविका को रोशनी दे रहा दीपोत्सव



सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या का भव्य दीपोत्सव आस्था के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा दे रहा है। इससे कुम्हारों, किसानों, श्रमिकों और छोटे व्यापारियों के लिए रोजगार व कारोबार के अवसर बढ़ रहे हैं। 2017 के बाद डबल इंजन सरकार ने रामनगरी की सांस्कृतिक संभावनाओं को आजीविका से जोड़ने की पहल की है। रामनगरी अयोध्या में भव्य दीपोत्सव की तैयारियों के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसके सामाजिक और आर्थिक महत्व को रेखांकित किया है। उन्होंने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अयोध्या का दीपोत्सव आस्था के साथ आर्थिकी को भी नई ऊर्जा दे रहा है। यहां प्रज्वलित होने वाला हर दीप किसी कुम्हार के श्रम, किसी किसान की उपज और किसी परिवार की आजीविका को नया प्रकाश दे रहा है।सीएम ने कहा कि दीपोत्सव केवल धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपरा का उत्सव नहीं है, बल्कि स्थानीय कारीगरों, श्रमिकों और छोटे व्यापारियों के लिए रोजगार व कारोबार के नए अवसरों का माध्यम भी बन रहा है। रामनगरी में जलने वाले लाखों दीप श्रमशील परिवारों के जीवन में खुशहाली की उम्मीद जगा रहे हैं।गोंडा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी को प्रदेश के लिए %श्राप% बताते हुए उस पर दंगे, तुष्टीकरण और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया। इस दौरान उन्होंने 1990 की कारसेवक घटना का जिक्र करने के साथ ही गोंडा और देवीपाटन मंडल में हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्यों व पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की बात कही।यूपी के गोंडा में गौरा विधानसभा के तेजपुर में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। कहा कि सपा प्रदेश के लिए श्राप है। जब-जब वह सत्ता में आई, तबाही लेकर आई। पहले प्रदेश में दंगे और कर्फ्यू होते थे, त्योहारों से पहले ही लोगों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगती थी। आज उत्तर प्रदेश दंगा और कर्फ्यू से मुक्त है। मुख्यमंत्री ने दो नवंबर 1990 को अयोध्या में रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर हुई गोलीबारी का जिक्र करते हुए तत्कालीन सपा सरकार को निशाने पर लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो नवंबर 1990 को अयोध्या में तत्कालीन सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। आज भाजपा सरकार रामभक्तों पर फूलों की वर्षा कर रही है और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। पहले दुर्गा पूजा के पंडालों और धार्मिक आयोजनों को लेकर विवाद खड़े किए जाते थे। देवीपाटन मंडल में दुर्गा पूजा की अनुमति तक नहीं मिलती थी। कांवड़ यात्रा पर भी रोक लगाने की कोशिश होती थी। अब नवरात्र और कांवड़ यात्रा जैसे आयोजन शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो रहे हैं।मुख्यमंत्री ने सपा सरकार पर गरीबों के हितों की अनदेखी और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। कहा कि उस समय गरीबों के बच्चों की कोई कीमत नहीं थी। गोंडा, बलरामपुर और बहराइच में अज्ञात बीमारी से बच्चों की मौतों के मामले सामने आते थे। स्वास्थ्य विभाग से पूछने पर भी बीमारी का पता नहीं चलता था। पिछली सरकार में गरीबों के हक पर डाका डाला जाता था और युवाओं के रोजगार के अवसरों के साथ खिलवाड़ होता था।उन्होंने 2016 के स्वच्छता सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि उस समय गोंडा की गिनती देश के सबसे गंदे शहरों में होती थी। सपा शासन में हुए खाद्यान्न घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में गरीबों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था। मौजूदा सरकार में राशन, रसोई गैस और आयुष्मान जैसी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा रहा है। दंगाइयों को संरक्षण देने वालों को बख्शेंगे नहीं- मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले दंगा करने वालों को सत्ता का संरक्षण मिलता था। अब कोई भी कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। प्रदेश में मजबूत कानून-व्यवस्था के कारण निवेश का माहौल बना है। गोंडा में करीब तीन हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे, जिनमें से सैकड़ों करोड़ की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में गोंडा जिले के लिए 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। देवीपाटन मंडल में करीब 50 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम हुआ है। पहले गोंडा के युवाओं के लिए सरकारी नौकरी सपना थी, लेकिन अब भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ रही है। सरकार का प्रयास है कि युवाओं को अपने जिले में ही रोजगार मिले और उन्हें काम की तलाश में दूसरे शहरों की ओर न जाना पड़े।मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार आस्था का सम्मान करने और लोगों के जीवन में बदलाव लाने का काम कर रही है, जबकि सपा और कांग्रेस का मतलब अपराध और बदमाशों को संरक्षण देना है। उन्होंने लोगों से दीपावली पर गरीब और वंचित परिवारों के साथ खुशियां साझा करने की अपील भी की। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, विधायक गौरा प्रभात वर्मा, रमापति शास्त्री, प्रेमनरायन पांडेय, अजय सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अकबाल बहादुर तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे

संक्षिप्त समाचार

शादी में जितना भी श्लोक बोला जाता है वो गाली है; विवाद बढ़ा तो सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने कही ये बात

मिर्जापुर के सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वो कह रहे हैं कि शादी में जितना भी श्लोक बोला जाता है वो गाली है एकदम। जिसको कोई नहीं जानता। एक तो आधा कहेंगे। गिड़बिड़-गिड़बिड़ कहकर कहेंगे यहां 101 रुपये रख दो। यूपी के मिर्जापुर में समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष शिव शंकर यादव का एक वीडियो बयान किसी ने सोशल मीडिया पर साझा किया जो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में शिवशंकर रहे हैं कि हमने अध्ययन किया है। शादी में जितना भी श्लोक बोला जाता है वो गाली है एकदम। जिसको कोई नहीं जानता। एक तो आधा कहेंगे। यहां कोई पंडित जी है बुरा न मानना। पंडित आधा मंत्र कहता है जो सुनाई नहीं देता। गिड़बिड़- गिड़बिड़ कहकर कहेंगे यहां 101 रुपये रख दो। यह परंपरा गलत है। जो आया है उसे जाना पड़ेगा। कोई नहीं कह सकता है मैं नहीं जाऊंगा या जाऊंगी। कई गांवों में मृत्यू भोज बंद कराया। शिवशंकर कहते दिख रहे हैं कि बनारस का जिलाध्यक्ष है। उसने कार्ड छपवाया। कार्ड लेकर आया तो उससे बोले तेरहवी मत करो तो उसने शर्त रख दी। तेरहवीं में अखिलेश जी आ जाएं तो तेरहवीं नहीं करेंगे। अखिलेश जी से बात किया। उन्होंने कहा आएंगे। जो हवन कुंड बनाया था उसमें एक भी ब्राह्मण नहीं थे। ज्यादातर पटेल थे। वहां अध्यक्ष ने कहा कि इसमें भी पीडीए है। इसे बंद कर देना चाहिए पर बड़ा संघर्ष करना पड़ेगा।

आजम खां की दोबारा गिरफ्तारी पर अखिलेश यादव का पहला बयान, बोले- उनके साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार हो रहा



समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खान की दोबारा गिरफ्तारी पर भाजपा सरकार को घेरा है। लखनऊ एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि आजम खान के साथ लगातार अन्यायपूर्ण व्यवहार हो रहा है। अखिलेश ने इसके लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खान की दोबारा गिरफ्तारी को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। लखनऊ एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि आजम खान साहब के साथ लगातार अन्याय हो रहा है और इसके लिए सरकार ही जिम्मेदार है।

अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खान के साथ जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, वह अन्यायपूर्ण है। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार लगातार उनके साथ अन्याय कर रही है। आजम खान की दोबारा गिरफ्तारी को लेकर सपा अध्यक्ष ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

भाजपा ने कभी तिरंगा नहीं फहराया- पूर्व सीएम ने कहा कि देश आजादी का जश्न मना रहा था और मुख्यमंत्री विभाजन का उत्सव मना रहे थे। भाजपा ने आजादी के पहले और आजादी के बाद कभी तिरंगा नहीं लगाया। लोधी समाज एकजुट हो गया तो भाजपा का पता नहीं चलेगा। समाजवादी पार्टी लोधी समाज को सम्मान और स्थान देगी। उन्होंने कहा कि 2027 में भाजपा का सफाया होना तय है। 2024 के परिणाम से समाजवादी पार्टी व इंडिया गठबंधन नंबर एक पर पहुंच गया है।कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे में गड्ढे ही गड्ढे- सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार 300 करोड़ पेड़ लगाने का दावा कर रही है, लेकिन पेड़ कहीं नहीं दिखाई दे रहे हैं। केंद्र सरकार की रिपोर्ट आई है कि प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस वे उद्घाटन के बाद जगह-जगह टूट गई, उस पर न जाने कितने गड्ढे हो गए।

मनी लॉन्ड्रिंग मामलाः आजम खां की याचिका पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, इसी हफ्ते सुनवाई संभव



सुप्रीम कोर्ट में सपा नेता आजम खां की ईडी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर इसी सप्ताह सुनवाई हो सकती है। जौहर ट्रस्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां की उस याचिका पर इसी सप्ताह सुनवाई हो सकती है, जिसमें उन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग के नए मामले में ईडी की ओर से अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। पीठ ने क्या कहा? - मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायाधीश जॉयमाल्य बागची तथा वी. मोहना की पीठ ने खां के वकील निजाम पाशा की दलीलों पर ध्यान दिया। याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि याचिका पर इसी सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है।रविवार को, गाजियाबाद की एक विशेष अदालत ने खां को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। खां के वकील ने बताया कि 78 वर्षीय सपा नेता को जौहर ट्रस्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गाजियाबाद की विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया था।इससे पहले, खां को कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत लाया गया। अदालत परिसर के बाहर उनके कई समर्थक अपने नेता की एक झलक पाने के लिए खड़े थे, जो पिछले कुछ वर्षों से अपने खिलाफ दर्ज कई कानूनी मामलों का सामना कर रहे हैं। जब वे और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां , कथित तौर पर दो पैन कार्ड रखने के मामले में रामपुर जेल से जमानत पर रिहा हुए थे।

सोनिया गांधी की लालू-तेजस्वी से मुलाकातः इंडिया ब्लॉक में दिया एकजुटता का संदेश



रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की रैली के बाद सोनिया गांधी की लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव से मुलाकात को विपक्षी एकता के लिहाज से अहम माना जा रहा है। बिहार में एसआईआर और कथित वोट चोरी के मुद्दे को तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय बहस से जोड़ने की कोशिश की। क्या उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में विपक्ष को इससे फायदा मिल सकता है?दिल्ली में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव से मुलाकात की। इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में हुई रैली के बाद इस मुलाकात को विपक्षी एकजुटता के लिहाज से अहम माना जा रहा है। ऐसे समय में जब विपक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वोट चोरी के मुद्दे पर केंद्र सरकार तथा चुनाव आयोग को घेर रहा है। कांग्रेस और राजद के शीर्ष नेताओं की यह बैठक गठबंधन की आगे की रणनीति के संकेत देती है।रामलीला मैदान की रैली में तेजस्वी यादव ने वोट चोरी के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में वोट चोरी की शुरुआत बिहार से हुई। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को %दो नंबरी सरकार% बताते हुए उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान में इस बार वोट चोरों के खिलाफ महाभारत का आयोजन किया गया है। महाभारत के शकुनि और उसके पासों का उदाहरण देते हुए तेजस्वी ने चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने इस लड़ाई को देश के मतदाताओं और धोखेबाजों के बीच की लड़ाई बताया।तेजस्वी ने अपने संबोधन में आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने विपक्षी दलों से एकजुट होकर भाजपा को हराने का आह्वान किया। इससे साफ है कि राजद इस मुद्दे को केवल बिहार तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की साझा राजनीतिक मुहिम बनाना चाहता है। कांग्रेस- बिहार की राजनीति में कांग्रेस और राजद का साथ बने रहना इंडिया गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। राजद के पास राज्य में अपना मजबूत संगठन और सामाजिक आधार है, जबकि कांग्रेस का राष्ट्रीय नेटवर्क और अन्य विपक्षी दलों के साथ समन्वय की भूमिका है।

लोकतंत्र खत्म करने वाले अब बचाने की रैली कर रहेः अमित शाह की पदयात्रा पर राउत का तंज



शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि लोकतंत्र को नष्ट करने वाले अब इसे बचाने की रैलियां कर रहे हैं। उन्होंने रामलीला मैदान की इंडिया गठबंधन रैली में भारी भीड़ का दावा किया।शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को खत्म करने वाले अब इसे बचाने के लिए रैलियां कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा की ओर से हैदराबाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में आयोजित होने वाली लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा पर तंज कसा। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में राउत ने कहा, उन्हें ऐसा करने दीजिए। लोकतंत्र को नष्ट करने वाले ही इसे बचाने के लिए रैलियां निकाल रहे हैं। यह सबसे बड़ी विडंबना है। इस तरह की विडंबना दूसरे देशों में भी देखने को मिलती थी। राउत ने विपक्षी गठबंधन इंडिया की ओर से दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित चलो दिल्ली रैली को लोकतंत्र की रक्षा से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित बताया। उन्होंने कहा कि यह रैली लोकतंत्र, संविधान, स्वतंत्रता और नागरिक आजादी को बचाने के मुद्दों पर आयोजित की गई थी। राहुल गांधी के आह्वान पर सभी विपक्षी दलों के नेता और समर्थक इसमें शामिल हुए।संजय राउत ने दावा किया कि रामलीला मैदान में आयोजित रैली में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली की सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिंग और अन्य प्रतिबंध लगाकर लोगों को रोक दिया, जिसके कारण कई लोग रैली में शामिल नहीं हो सके। राउत ने कहा, रामलीला मैदान में रैली में भारी भीड़ थी। पुलिस ने सीमाओं पर बैरिकेडिंग कर लोगों को रोक दिया। अगर ऐसा नहीं होता तो पूरा दिल्ली ठहर जाता। भाजपा की ओर से इंडिया गठबंधन की रैली को फ्लॉप बताए जाने और रामलीला मैदान के आधे से भी कम भरे होने के दावे पर भी राउत ने प्रतिक्रिया दी।

संपादकीय Editorial

Questions Remain Unanswered

The Election Commission's 248-page affidavit filed with the Supreme Court leaves many questions unanswered. The 14 objections raised by two Election Commissioners—Sukhbir Singh Sandhu and Vivek Joshi—in an investigative report by the "Indian Express" have not been dismissed. Only partial and incomplete responses have been provided. The Election Commission has not yet refuted those reports. The Election Commission's clarification on the crucial Form 6 appears to be "fake." The Commission's response is that no changes were made to Form 6. A separate declaration was added to the Special Intensive Review (SIR). Displaying it alongside the online form could have created the "sense of a change." The two were kept together to complete the application with a single OTP and e-signature. On October 21, the Commission decided to keep the online application in two parts. The Commission clarified that all three orders in the SIR were issued with the unanimous consent of the Chief Election Commissioner and the two Commissioners. The question is: why did the commissioners file objections over a 10-month period? Why did they label the changes to Form 6 as "illegal" and "unauthorized"? Since an Election Commission press note stated that the changes to Form 6 had the approval of the Supreme Court, but were rejected by a judicial bench, the question remains: on whose orders was the change made? Was there a unanimous agreement among the three commissioners? Over 1.6 million Form 7 applications were submitted in West Bengal, seeking deletion or deletion of voters' names. The affidavit stated that this was done at the office of the Chief Electoral Officer (CEO) of Bengal. Is this possible? How and where did the CEO select those 1.6 million people? Was he offered any "financial inducement"? Applications for deletion of voters' names on such a large scale are impossible without "directives from above." Furthermore, the glaring errors and discrepancies uncovered during the SIR suggest that the Election Commission operates blindly and with its mind shut.

In Uttar Pradesh, the names of over 300,000 voters have been made public, exposing the Commission's incompetence. A single name has been included in the list with 315 or 420 entries. A single name has been entered more than 1,300 times. SP President Akhilesh Yadav complained about these unforgivable errors in February 2026. Thankfully, the Election Commission acknowledged them after eight months, and the process of "purification" is now underway. Uttar Pradesh CEO Navdeep Rinwa has apologized for some other discrepancies and linguistic errors. The Election Commission has come to some sense! However, the questions and objections regarding the Election Commission and the SIR remain unresolved and are now pending before the Supreme Court. On Tuesday, October 27th, the court granted the petitioners 10 days to respond to the Commission's affidavit. The next date is November 17th. The court's decision, its outcome, whether the disenfranchised voters will be restored, and the future of the SIR remain uncertain. However, the Election Commission's unmasking of the voting rights has left countless Indians disillusioned. The Commission's image.

A shared fight against pollution is necessary.

According to the World Health Organization's air quality guidelines, the annual average level of PM 2.5 should not exceed five micrograms per cubic meter, while in the plains of North India, this level often reaches 80 to 100 micrograms per cubic meter. Pollution is not just a crisis for Delhi-NCR, but for all of North India. Local measures are insufficient, requiring an integrated regional strategy. Stubble burning, industrial emissions, and vehicle exhaust are the main causes. With the onset of winter, the thick haze and smoke that covers the horizon of North India is no longer merely a seasonal phenomenon; it has become a serious and life-threatening public health emergency for millions of citizens. Between October and February, the Air Quality Index (AQI) in Delhi-NCR often exceeds the dangerous level of 400 to 450.As soon as the Air Quality Index in the National Capital Region enters the 'poor' or 'severe' category, the administrative machinery suddenly becomes unpredictably active. Various provisions of the Graded Response Action Plan (GRAP) are hastily implemented. Measures such as restrictions on construction work, deployment of anti-smog guns at construction sites, prohibition of the use of diesel generators, and sprinkling of water on roads appear in newspapers and media headlines.

However, from the perspective of fundamental principles of atmospheric science and geography, it is natural to question whether punitive and immediate actions confined to the boundaries of a single metropolitan city or a few selected districts can provide a real and lasting solution to this severe atmospheric crisis.

Air, gases, and fine particles (PM 2.5 and PM 10) have no administrative, political, or geographical boundaries. The toxicity that lingers in the skies of many regions of North India is not merely the result of local vehicle exhaust or industrial chimneys, but is determined by the combined emissions and atmospheric dynamics of the entire vast Indo-Gangetic plain. In such a situation, unilateral measures taken by a single city in isolation are as ineffective in the face of this massive crisis as building a dam of leaves across a raging river. A meticulous scientific analysis of recent air quality data completely shatters the myth that pollution is a problem unique to Delhi-NCR.

According to the World Health Organization's air quality guidelines, the annual average level of PM 2.5 should not exceed five micrograms per cubic meter, while in the plains of North India, this level often reaches 80 to 100 micrograms per cubic meter. Delhi is no longer the only city on the list of the world's most polluted cities; many cities in the Gangetic plains are trapped in this toxic quagmire. From Bulandshahr, Muzaffarnagar, and Hapur in western Uttar Pradesh to Rohtak, Hisar in Haryana, and Kota, the industrial city of Rajasthan, air quality consistently remains at 'very poor' and 'severe' levels.

A region of North India is geographically like a huge natural bowl. As temperatures drop with the arrival of winter, air density increases and its speed slows. Scientifically, this is called thermal inversion, in which the upper layer of warm air traps the colder, heavier air below, trapping it near the ground. When smoke from industries, vehicles, dust, and stubble burning condenses into this natural trap, the entire belt becomes a giant gas chamber. Since the crisis spans all of North India, its solution cannot be contained within the jurisdiction of a single municipal corporation or state government. It requires an integrated and cohesive regional strategy based on the entire airshed.

A major and controversial biological factor in the annual atmospheric crisis is the burning of agricultural residues, i.e., stubble burning. Emissions from stubble burning, carried by northwesterly winds, engulf the skies across North India. Since the stubble burning crisis is a multifaceted issue involving agricultural economics, energy policy, and national food security, direct economic and policy intervention by the central government is essential. This requires significant efforts, from crop diversification to substantial subsidies for appropriate technologies and sustainable infrastructure like bio-methanation plants. However, it should also be noted that stubble burning is not the only contributor to pollution. The lack of necessary coordination between the governments of Delhi, Haryana, Uttar Pradesh, Punjab, and Rajasthan, which are already grappling with pollution, also exacerbates the situation.itical parties and various state governments begin a blame game. However, the pressing need today is to demonstrate a shared political will, transcending party politics, to address a national emergency like air pollution. To this end, institutions implementing anti-pollution measures must not be limited to issuing paper guidelines; they must instead act as empowered, autonomous, and robust decision-making regulators. Pollution control measures such as industrial standards, electrification of public transport, mandatory use of clean fuels, and waste management among neighboring states must be implemented with equal seriousness and discipline.

It is clear that unless the atmospheric airshed of the entire North India is protected,Unless an integrated scientific action plan is developed that fully considers the limitations, and transparent decisions are made based on accurate geospatial monitoring and aerosol optical depth data, it will be impossible to break free from this toxic rut. Air pollution must stop being viewed as merely a seasonal problem. It must be recognized as a serious ecological and public health emergency. (The author is an environmental expert and senior administrative officer.)

Moving Toward Clean Energy

India is pursuing a path of balancing development and the environment amid global warming and energy insecurity. The country's renewable energy capacity has surpassed 300 GW, aiming for self-reliance and sustainable development. India surpassed 300 GW of renewable energy capacity. Self-sufficiency from solar and wind energy, carbon emission reduction targets. Battery storage and smart grids are crucial for the energy future. As the world grapples with the dual crises of global warming, rising temperatures, changing climate, and energy insecurity, India has chosen a path of balance between development and the environment that could become the foundation of its economic and strategic strength in the coming decades. The rapid transformation of the country's energy landscape over the past 12 years is not just a story of increasing power generation figures; it is a new step towards self-reliance.

Under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, India has embarked on an energy transition on multiple fronts simultaneously. The rapid expansion of solar and wind power, rooftop solar, PM-KUSUM, PM Surya Ghar-Free Electricity Scheme, large solar parks, offshore wind projects, battery storage, and green hydrogen are all part of a comprehensive energy strategy that aims not only to reduce carbon emissions but also to make India energy self-reliant and globally competitive.

India's renewable energy capacity has surpassed 300 gigawatts. Solar and wind power are its largest sources, and renewable energy accounts for over 55 percent of total installed power capacity. India anticipates that electricity demand is set to grow rapidly in this country, one of the world's fastest-growing major economies.e country needs 24-hour, reliable electricity. While thermal power and nuclear power have a slight advantage here, India's strategy is to create a balanced energy mix rather than viewing conventional and renewable energy as substitutes. While coal and nuclear power are ensuring stable power supply, solar and wind energy are rapidly expanding.

This approach makes India's energy transition practical, as simply increasing production capacity is not enough. The challenge is ensuring that homes, hospitals, industries, railways, transportation, and the rapidly expanding digital infrastructure continue to receive electricity even when the sun is out or the wind speed is low. This is why technologies like battery energy storage, pumped hydro storage, smart grids, and digital energy management are gaining increasing attention. Solar pumps provide farmers with reliable daytime electricity for irrigation, reducing their dependence on diesel. Farmers installing solar plants on unused or underutilized land can generate a new source of income by selling excess power to the grid. The energy transition is also providing farmers with the opportunity to become "energy providers." This change is not limited to agriculture. Rooftop solar in cities has opened up a path to reducing electricity costs for middle-class families. Through the PM Surya Ghar-Free Electricity Scheme, work is underway to transform rooftops into small energy centers.

Storage and Grid Challenges: The biggest question facing India isn't just how much solar or wind energy can be generated.

एक-दो नंबर से बार-बार छूटी सरकारी नौकरी, तीन महीने से तनाव में चल रहे इंजीनियर ने जहर खाकर जान दी

मुरादाबाद: एमटेक के बाद सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे प्रशांत चौधरी प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार असफलता से तनाव में थे। इससे परेशान होकर उन्होंने कीटनाशक का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।एमटेक के बाद सरकारी नौकरी के लिए प्रयास जुटे प्रशांत चौधरी (34) ने लगातार मिल रही असफलता से दुखी होकर शनिवार रात करीब दो बजे जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन अस्पताल ले गए, जहां पर रविवार की दोपहर उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि वह कई प्रतियोगी परीक्षा में बैठ चुके थे।



हर बार एक-दो नंबर से रह जाते थे। इससे वह डिप्रेशन में आ गए थे। पाकबड़ा थाना क्षेत्र के गांव गुरेठा निवासी प्रशांत चौधरी एमटेक करने के बाद एक पब्लिक स्कूल में पढ़ा रहे थे। शुरू से होनहार रहे प्रशांत ट्यूशन भी पढ़ाते थे। करीब से जानने वाले लोगों का कहना है कि वह शुरुआत से ही पढ़ाई में तेज थे।शुरुआत में कुछ विभागों में नौकरी की परीक्षा उन्होंने पास भी कर ली थी लेकिन बाद में यह सोचकर जॉइन नहीं किया कि बड़ी नौकरी करेंगे। वह लगातार इसकी तैयारी भी कर रहे थे लेकिन कभी इंटरव्यू में रह जाते तो कभी लिखित परीक्षा में एक-दो नंबर से। पिछले तीन महीने में वह डिप्रेशन में थे।

शनिवार की रात को जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने दिल्ली रोड स्थित एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया। अस्पताल में उपचार के दौरान रविवार की दोपहर करीब तीन बजे मौत हो गई। प्रशांत की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। घर में उनकी पत्नी मोनिका और बेटा जयनीत (07) है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।बेटा परीक्षा देते-देते थक चुका था

प्रशांत के पिता विजय पाल सिंह ने बताया कि उनका बेटा एमटेक काफी पहले कर चुका था। वह अपनी योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरी पाने के लिए कई बार परीक्षा दे चुका था। फिर भी सरकारी नौकरी पाने में असफल हो गया था। शिक्षा के क्षेत्र में नौकरी के लिए वह बीएड भी कर रहा था। साथ ही शिक्षण कार्य भी कर रहा था। इसी कारण वह तनाव में भी रहता था। उसने घर में रखी कीटनाशक दवा का सेवन किया था। सीओ हाईवे वरुण कुमार ने बताया कि उसने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन किया था। घर वालों ने जो बताया उसके मुताबिक वह नौकरी के लिए प्रयास कर रहे थे मगर कामयाबी नहीं मिल पा रही थी। जिससे वह डिप्रेशन में थे। हालांकि पुलिस अपने ढंग से घटना के कारणों की छानबीन कर रही है।

परीक्षा देने जा रहे तीन छात्रों को अज्ञात वाहन ने रौंदा, एक की मौत, चचेरे भाई समेत दो गंभीर

शाहबाद में पॉलिटेक्निक की परीक्षा देने जा रहे बाइक सवार तीन छात्रों को सुहावा गांव के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

हादसे में बरेली निवासी शिशुपाल की मौत हो गई। उसके चचेरे भाई आशीष और आकाश गंभीर रूप से घायल हो गए।शाहबाद क्षेत्र में सोमवार सुबह पॉलीटेक्निक की परीक्षा देने जा रहे बाइक सवार तीन छात्रों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि उसके चचेरे भाई समेत दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा सुहावा गांव के पास हुआ। बरेली के मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव सिंधौली निवासी शिशुपाल उर्फ सूरजपाल (24), अपने चचेरे भाई आशीष और गांव के ही आकाश के साथ बाइक से शाहबाद स्थित राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में परीक्षा देने जा रहे थे।इसी दौरान सुहावा गांव के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी



बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों छात्र सड़क पर कई मीटर तक घिसटते चले गए। हादसे में शिशुपाल उर्फ सूरजपाल की मौत जबकि आशीष और आकाश गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भिजवाया। घटना की जानकारी मिलने पर राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज का स्टाफ भी अस्पताल पहुंच गया। कोतवाल धनंजय सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलों का उपचार चल रहा है।

'जेल के ताले टूटेंगे, आजम खां छूटेंगे'... रामपुर में लगे पोस्टर, पुलिस ने लिया एक्शन

चाकू चौक से नैनीताल हाईवे तक लगाए गए थे पोस्टर; आजम खां और अब्दुल्ला आजम की तस्वीरों के साथ सपा का साइकिल निशान और फिलिस्तीन का झंडा भी दिखा

रामपुर में रविवार सुबह आजम खां के समर्थन में 'जेल के ताले टूटेंगे, आजम खां छूटेंगे' लिखे पोस्टर और होर्डिंग लगाए गए। पुलिस ने सभी होर्डिंग उतरवा दिए।उत्तर प्रदेश के रामपुर में रविवार सुबह लगे कुछ पोस्टर और होर्डिंग चर्चा का विषय बन गए। शहर के अलग-अलग हिस्सों में लगाए गए इन होर्डिंग पर 'जेल के ताले टूटेंगे, आजम खां छूटेंगे' लिखा था। इनमें समाजवादी पार्टी के चुनाव चिह्न साइकिल के साथ आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की तस्वीरें भी लगाई गई थीं। पोस्टरों में फिलिस्तीन का झंडा



भी दिखाई दे रहा था। मामला सामने आने के बाद पुलिस सक्रिय हुई और शहर में लगे होर्डिंग उतरवा दिए गए।

प्रमुख रास्तों और चौराहों पर लगाए गए थे पोस्टर-जानकारी के मुताबिक, रविवार तड़के रामपुर में चाकू चौक से लेकर नैनीताल हाईवे के किनारे तक कई पोस्टर और होर्डिंग लगाए गए थे। शहर के प्रमुख रास्तों और चौराहों पर लगे इन पोस्टरों ने लोगों का ध्यान खींचा। होर्डिंग पर समाजवादी पार्टी का साइकिल चुनाव चिह्न और आजम खां व अब्दुल्ला आजम की तस्वीरें थीं।पोस्टरों में सरकार पर भी निशानाइन होर्डिंग में केवल आजम खां की रिहाई से जुड़े नारे ही नहीं लिखे गए थे, बल्कि सरकार पर भी निशाना साधा गया था। पोस्टरों में उन मामलों का भी उल्लेख किया गया था, जिनमें आजम खां नामजद हैं। फिलिस्तीन के झंडे के साथ लगाए गए इन पोस्टरों को लेकर रामपुर में राजनीतिक चर्चा शुरू हो गई।

पुलिस ने उतरवाए सभी होर्डिंग- पोस्टरों की जानकारी मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी। इसके बाद शहर के अलग-अलग स्थानों पर लगाए गए सभी होर्डिंग और पोस्टर उतरवा दिए गए। हालांकि, इन्हें किसने लगवाया था और इन्हें लगाने के पीछे क्या उद्देश्य था, इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। पोस्टरों के सामने आने के बाद रामपुर में आजम खां को लेकर राजनीतिक हलचल एक बार फिर चर्चा में है।

बागों और हाथियों का संसार: अमानगढ़ में शुरू हुई जंगल सफारी, 32 किमी के सफर में दिखेगा अनूठा नजारा

मुरादाबाद के अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी का नया सत्र शुरू हो गया है, जहाँ पर्यटक प्रकृति और वन्यजीवों का अद्भुत अनुभव ले सकेंगे। सफारी शुल्क में 15त्न की वृद्धि की गई है और पर्यटकों की सुविधा के लिए कई नई व्यवस्थाएं भी की गई हैं।32 किलोमीटर के सफर में प्रकृति के अनूठे संसार से रूबरू होंगे पर्यटकशहर की भागदौड़, वाहनों के शोर और कंक्रीट की ऊंची इमारतों से दूर कुछ पल प्रकृति के नाम करना चाहते हैं तो अमानगढ़ आपका इंतजार कर रहा है। यहां सुबह की पहली किरण साल और सागौन के ऊंचे पेड़ों से छनकर जमीन पर उतरती है। पत्तों पर ठहरी ओस चमकती है और जंगल की खामोशी को पक्षियों की चहचहाहट तोड़ती है। इसी प्राकृतिक संसार के बीच कभी हिरणों का झुंड दिखाई देता है तो कहीं हाथियों की चिंघाड़ सुनाई देती है। रविवार से अमानगढ़ टाइगर रिजर्व का जंगल पर्यटकों के लिए खुलने जा रहा है। इसके साथ ही जंगल सफारी का नया सत्र शुरू हो जाएगा।अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में रविवार से ईको पर्यटन सत्र 2026-27 का शुभारंभ होगा। बढ़ापुर विधायक कुंवर सुशांत सिंह केहरीपुर परिसर में नए सत्र का उद्घाटन करेंगे।इससे पहले सफारी संचालन और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आयोजित बैठक में सफारी शुल्क में 15 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया।इसके तहत जिप्सी का शुल्क 2280 से बढ़ाकर 2622 रुपये, वाहन प्रवेश शुल्क 300 से 345 रुपये और नेचर गाइड शुल्क 400 से 460 रुपये करने का प्रस्ताव है। भारतीय पर्यटकों का प्रति व्यक्ति शुल्क 100 से बढ़कर 115 रुपये





होगा। विदेशी पर्यटकों के लिए यह 600 से 690 रुपये प्रस्तावित है। वन अधिकारियों के अनुसार करीब 9500 हेक्टेयर में फैला अमानगढ़ केवल जंगल नहीं, बल्कि प्रकृति की एक जीवंत दुनिया है।यहां पेड़-पौधों से लेकर वन्यजीवों तक जैव विविधता की अनूठी तस्वीर देखने को मिलती है। बाघ और तेंदुए जैसे शिकारी वन्यजीवों के साथ हाथी, भालू, सांभर, चीतल और काकड़ इस जंगल की पहचान हैं।जंगल में विभिन्न प्रजातियों के पक्षी भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। वन विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यहां 6,524 वन्यजीव दर्ज हैं।

इनमें 28 बाघ, 168 तेंदुए और 105 हाथी शामिल हैं। सफारी की शुरुआत केहरीपुर वन परिसर से होगी।यहां से जिप्सी निर्धारित मार्ग पर झिरना गेट की ओर रवाना होगी। करीब 32 किलोमीटर का आने-जाने का सफर पूरा करने में तीन से साढ़े तीन घंटे लगेंगे। इस सफर में पर्यटकों को जंगल को केवल देखने ही नहीं, बल्कि महसूस करने का मौका मिलेगा।

प्रकृति के दीदार के लिए संवर रहा रास्ता- क्षेत्रीय वनाधिकारी, केहरीपुर (बिजनौर) अंकिता किशोरी ने बताया कि पर्यटकों को जंगल का बेहतर नजारा दिखाने को मिलेगा। खराब रास्तों की मरम्मत के साथ व्यू लाइन भी साफ करा दी है।इससे जिप्सी में बैठे पर्यटकों को जंगल के भीतर दूर तक देखने का अवसर मिलेगा। चाय-नाश्ते के साथ जनरल स्टोर, कीरिंग और रेडीमेड कपड़ों की दुकानें शुरू करने की तैयारी है।बच्चों को जंगल, पेड़-पौधों और वन्यजीवों से परिचित कराने के लिए सम्मेलन कक्ष भी बनाया है। अमानगढ़ में ईको-पर्यटन का संचालन केहरीपुर ईको विकास समिति के माध्यम से किया जाता है।स्थानीय गांवों के चालक और प्रशिक्षित गाइड पर्यटकों को जंगल की जैव विविधता, वन्यजीवों और प्राकृतिक वातावरण की जानकारी देते हैं। पिछले सत्र में 3528 भारतीय और नौ विदेशी पर्यटकों ने सफारी की थी। पर्यटकों की सुविधा के लिए कैफेटेरिया क्षेत्र में बदलाव किए गए हैं। चाय-नाश्ते के साथ कुछ और दुकानें बढ़ाई जाएंगी। बच्चों को जंगल और वन्यजीवों से परिचित कराने के लिए सम्मेलन कक्ष भी बनाया गया है।- आदर्श कुमार, वन संरक्षक, मुरादाबाद मंडल

संक्षिप्त समाचार

करोड़ों के मकान, फिर भी खाली! मुरादाबाद में MDA के 155 आवासों के नहीं मिल रहे खरीदार

मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (एमडीए) की एक हजार करोड़ रुपये की संपत्तियां, जिनमें 155 आवास शामिल हैं, सालों से खाली पड़ी हैं और खरीदार



नहीं मिल रहे हैं। प्राधिकरण ने इन आवासों को बेचने के लिए 31 मार्च 2027 तक पंजीकरण का मौका दिया है। एमडीए ने इनको बेचने के लिए फिर 31 मार्च 2027 तक दिया मौका एमडीए की करीब एक हजार करोड़ रुपये की संपत्तियां सालों बाद भी नहीं बिक सकीं। इनमें आठ आवासीय योजनाओं के 155 आवास शामिल हैं। सबसे ज्यादा 77 आवास समृद्धि विहार में खाली पड़े हैं। एमडीए रामगंगा विहार द्वितीय, नया मुरादाबाद, काशीराम नगर और रामगंगा विहार के ईडब्ल्यूएस आवासों के खरीदारों की राह देख रहा है। इनमें कई योजनाएं 10 से 35 साल पुरानी हो चुकी हैं। कांठ रोड स्थित रामगंगा विहार द्वितीय एमडीए की करीब 35 साल पुरानी आवासीय योजना है। यहां एमआइजी के तीन मंजिला अपार्टमेंट और ईडब्ल्यूएस आवास बनाए गए थे।इनकी बिक्री नहीं होने के पीछे अपार्टमेंट के बजाय भूखंड खरीदकर अपनी पसंद का मकान बनाने की लोगों की प्राथमिकता और लांचिंग के समय अधिक कीमत होना प्रमुख वजह मानी जा रही है। एमडीए ने इन आवासों के पंजीयन 31 मार्च 2027 तक खोल रखे हैं। प्राधिकरण की ओर से आवासों की मरम्मत कराकर भी दिया जाएगा। सरकारी आवास योजनाओं की स्थिति भी बेहतर नहीं है। ढक्का क्षेत्र में अरावली आवासीय योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना समेत अन्य योजनाओं के आवास भी खाली पड़े हैं। लंबे समय से देखरेख और रखरखाव नहीं होने से इनमें कई की हालत जर्जर हो चुकी है। ऐसे में एमडीए के सामने केवल संपत्तियों की बिक्री ही नहीं, बल्कि खाली आवासों का रखरखाव और उन्हें रहने योग्य बनाए रखने की भी चुनौती है। जो आवास नहीं बिक रहे हैं, उनको बेचने की फिर से योजना है। इसी वजह से 31 मार्च तक आवास खरीदने के लिए आवेदन करने का अवसर दिया गया है। कुछ आवास बिके भी हैं। - देवेंद्र प्रताप सिंह, सचिव, एमडीए

तालाब पर जाने को लेकर विवाद, दंपती समेत पांच लोगों को पीटा

मिलक। तालाब पर जाने को लेकर हुए विवाद में एक परिवार के लोगों के साथ लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और ईंट-पत्थरों से मारपीट कर दी गई।

हमले में दंपती समेत पांच लोग घायल हो गए। आरोप है कि मारपीट के दौरान एक आरोपी तमंचा भी लिए हुए था। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर सात नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के ग्राम ज्योहरा निवासी धनवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शनिवार को उनका बेटा रोविन्द गांव के तालाब पर गया था। वहां गांव के ही हरद्वारीलाल ने उसे तालाब पर आने को लेकर टोका और गाली-गलौज करने लगा।

विरोध करने पर हरद्वारीलाल ने अपने बेटे आशीष, अमित और विनोद के अलावा रामसिंह, मनोज और सन्नी को बुला लिया। आरोप है कि सभी ने मिलकर उनके बेटे के साथ मारपीट शुरू कर दी।शोर सुनकर वह अपने पति नन्हेराम, बेटे आकाश और बुआ मानसरोवर के साथ मौके पर पहुंचीं तो आरोपियों ने उन सभी पर लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। मारपीट में उनके पति के दोनों पैर टूट गए, जबकि उन्हें, उनके दोनों बेटों और बुआ को भी चोटें आईं।

धनवती का आरोप है कि हरद्वारीलाल के हाथ में तमंचा था। आरोपियों ने दोबारा तालाब के किनारे आने पर जान से मारने की धमकी भी दी।सीओ राजवीर सिंह परिहार ने बताया कि पीड़िता धनवती की तहरीर पर हरद्वारीलाल, आशीष, अमित, विनोद, रामसिंह, मनोज और सन्नी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

20 नवंबर से सजेगा चौबारी मेला

रामगंगा तट पर लौटेगी रौनक , प्रबंध समिति के लिए 12 नवंबर तक करें आवेदन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) ऐतिहासिक कार्तिक मेला श्रीरामगंगा चौबारी की तारीखों का ऐलान हो गया है। इस बार मेला 20 से 28 नवंबर 2026 तक रामगंगा के तट पर धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। मेला मजिस्ट्रेट (सदर) के अनुसार, मेले के संचालन के लिए हर साल की तरह स्थानीय लोगों की प्रबंध समिति बनाई जाएगी। कमेटी में शामिल होने के इच्छुक व्यक्ति 12 नवंबर को दोपहर 12 बजे तक एसडीएम सदर कार्यालय में अपना प्रार्थना पत्र जमा कर सकते हैं। नियमित समिति गठन के बाद मेले से संबंधित निर्धारित धनराशि तुरंत जमा करनी होगी। विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में नायब तहसीलदार (चौबारी) या तहसीलदार (सदर) से संपर्क किया जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आज बरेली में करेंगे पदयात्रा, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा भी होंगे शामिल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) भाजपा के लोकतंत्र बचाओ अभियान के तहत तीन नवंबर को होने वाली पदयात्रा में मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य भी शामिल होंगे। ब्रज क्षेत्र प्रभारी, प्रदेश महामंत्री, राज्यसभा सदस्य गीता शाक्य भीइसमें हिस्सा लेंगी। ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष पूरन लाल लोधी ने बताया कि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा बरेली जंक्शन पर ट्रेन से आएंगे और हवाई अड्डे से विमान से लोटेंगे। तीन नवंबर को पदयात्रा में स्वयंवर बरातघर पर 25 हजार पदाधिकारी व कार्यकर्ता इकट्ठा होंगे। यहां से सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारी केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा व डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में पदयात्रा निकालेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, उपमुख्यमंत्री सुबह 11:40 बजे बरेली एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद रिजर्व पुलिस लाइन में केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश से मुलाकात करेंगे। यहां से वह राजेंद्रनगर स्थित घनश्याम खंडेलवाल के आवास पर जाएंगे। दोपहर 1:35 बजे स्वयंवर बारातघर में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। पदयात्रा के दौरान शिवाजी चौक पर शिवाजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। शहीद के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ यात्रा का समापन होगा। इसके बाद 3:30 बजे उप मुख्यमंत्री सर्किट हाउस पहुंचेंगे। यहां भाजपा पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद करेंगे। इसके बाद विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक प्रस्तावित है। शाम 4:40 बजे एयरपोर्ट पहुंचकर 4:45 बजे राजकीय विमान से लखनऊ रवाना हो जाएंगे। 2.15 किमी लंबी होगी पदयात्रा भाजपा की यह माना करीब 2.15 किमी होगी। 19 जिलों के 65 विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व होगा। इसको 2027 के विधान सभा चुनाव के शंखनाद के तौर पर देखा जा रहा है। इसके मद्देनजर रविवार को संगठनात्मक तौर पर करके रणनीति बनाई गई है।

यातायात माह नवंबर 2026 का आगाज: सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन की अपील

हेलमेट, सीट बेल्ट व यातायात नियमों के पालन करना अनिवार्य

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) । सड़क हादसों की रोकथाम और सुरक्षित यात्रा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रिजर्व पुलिस लाइन स्थित रविंद्रालय में यातायात माह नवंबर 2026 का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में एडीजी जोन रमित शर्मा, डीआईजी अजय कुमार साहनी, मंडलायुक्त शम्भू कुमार, डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नियमों की अनदेखी जान पर भारी-अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा हर नागरिक की जिम्मेदारी है। वाहन चालकों से अपील की गई कि वे दोपहिया चलाते समय हेलमेट और चार पहिया में सीट बेल्ट जरूर लगाएं। इसके अलावा, वाहन चलाते समय मोबाइल के इस्तेमाल, ओवरस्पीडिंग, नशे में ड्राइविंग और गलत दिशा में चलने से बचने की सख्त हिदायत दी गई।

?अभिभावकों से नाबालिगों पर रोक की अपील अभिभावकों से आग्रह किया गया कि वे नाबालिग बच्चों को किसी भी हाल में वाहन न सौंपें। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि नियमों का पालन केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि खुद की और दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए जरूरी है।

?महीने भर चलेंगे अभियान और होगी कार्रवाई नवंबर माह के दौरान प्रमुख चौराहों, बाजारों, स्कूलों और कॉलेजों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। साथ ही, नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।

दिव्यांगजनों को सांसद श्रुति गंगवार ने बांटीं 15 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, खिले चेहरे

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा)दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की योजना के तहत आज राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार द्वारा 15 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया। ट्राईसाइकिल की चाबी हाथ में आते ही लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

इस मौके पर सांसद श्रुति गंगवार ने कहा कि यह मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल दिव्यांगजनों के दैनिक जीवन को आसान बनाकर उनके स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करेगी और उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ेगी। कार्यक्रम में उपनिदेशक संगीता सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी चमन सिंह, राजकीय संकेत विद्यालय के प्रधानाचार्य बलवन्त सिंह, कार्यक्रम समन्वयक मुनेश बंसल, समाजसेवी पम्मी खाँ वारसी, निक्की वर्मा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मानक के विपरीत सड़क निर्माण पर मोहल्लेवासियों ने रुकवाया काम, सभासद ने की शिकायत

@ क्यूँ न लिखूँ सच



फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे के मोहल्ला अंसारी में अनीस की दुकान से गुलाम साबिर के मकान तक नगर पंचायत द्वारा 15वें वित्त आयोग से करीब 8 लाख 60 हजार रुपये की अनुमानित लागत से सीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी और घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए सोमवार को मोहल्लेवासियों ने ठेकेदार का काम रुकवा दिया।

मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे नामित सभासद महेंद्र मौर्य ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल और नगर पंचायत के अवर अभियंता से शिकायत की। शिकायत पर अवर अभियंता मनोज कुमार यादव ने तत्काल संबंधित ठेकेदार से फोन पर बात कर निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप और गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराने के निर्देश दिए। साथ ही मामले की जांच कराकर आवश्यक विभागीय कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

नामित सभासद महेंद्र मौर्य ने बताया कि मोहल्लेवासियों की शिकायत पर वह मौके पर पहुंचे थे। सड़क निर्माण में घटिया सामग्री लगाए जाने की शिकायत अधिकारियों से की गई है और स्पष्ट कहा गया है कि सरकारी धन से होने वाले विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पंचायत में कई निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं, लेकिन जिम्मेदारों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने मांग की कि निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाए और मानकों के विपरीत कार्य कराने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी धन का सही उपयोग हो और जनता को टिकाऊ सड़क मिल सके।

पीड़िता की FIR न लिखने पर थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड, एसएसपी ने बैठाई जांच

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) । फरियाद लेकर थाने पहुंची महिला की सुनवाई न करना सीबीगंज थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिसकर्मियों को भारी पड़ गया। सिर में गंभीर चोट होने के बावजूद महिला की एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इतना ही नहीं, पुलिस कार्यालय से निर्देश मिलने के बाद भी थाना पुलिस ने मामले में कार्रवाई नहीं की। लापरवाही का मामला सामने आते ही एसएसपी अनुराग आर्य ने कड़ा रुख अपनाया और सीबीगंज थानाध्यक्ष विनोद सिंह, वरिष्ठ उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार और उप निरीक्षक अश्वनी शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। तीनों के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं। एसएसपी की इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में खलबली मच गई है।

मामला बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र का है। यहां रहने वाली एक महिला 27 अक्टूबर को अपनी शिकायत लेकर थाने पहुंची थी। महिला के सिर में गंभीर चोट थी। इसके बावजूद पुलिस ने उसकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की। आरोप है कि महिला की फरियाद को गंभीरता से लेने के बजाय संबंधित पुलिसकर्मियों ने मामले में लापरवाही बरती। थाने से कार्रवाई नहीं होने पर मामला पुलिस के उच्चाधिकारियों तक पहुंच गया।

डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार घायल, टोल कर्मियों ने अस्पताल में कराया भर्ती

@ क्यूँ न लिखूँ सच





फतेहगंज पश्चिमी। टोल प्लाजा के पास सोमवार को डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार घायल हो गया। हादसे के बाद वह बेहोश हो गया। सूचना पर टोल प्लाजा की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को पास के अस्पताल में भर्ती कराया।

जानकारी के अनुसार, रामोतार पुत्र रामदास निवासी गांव उनासी बाइक से मीरगंज की तरफ से अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान टोल प्लाजा के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। और उसके सिर मे चोट लगने से वह वेहोस हो गया ।टोल प्लाजा कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। फिलहाल रामोतार की हालत ठीक बताई जा रही है।

चचेरे भाई पर मारपीट कर युवक की हत्या का आरोप, अस्पताल ले जाते समय मौत

मतैयापुरवा में विवाद के बाद सिर पर लोहे की रॉड से हमला करने का आरोप है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई ।काकादेव थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर स्थित गली में चचेरे भाई पर के बाद राकेश कुमार (30) कि रवि ने विवाद के दौरान रॉड से वार किया और रूप से घायल राकेश की हो गई। सूचना पर थाना बल के साथ मौके पर पहुंचे की ।प्रारंभिक जानकारी के





चचेरे भाई रवि के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान मारपीट में राकेश के सिर पर लोहे की रॉड से हमला किए जाने का आरोप है। गंभीर चोट लगने से उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस विवाद की वजह और मारपीट से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। चचेरे भाई पर लगे आरोपों की भी पड़ताल की जा रही है।

मतैयापुरवा की कुम्हार वाली मारपीट करने का आरोप लगने की मौत हो गई। आरोप है राकेश के सिर पर लोहे की लात-घूंसों से भी पीटा। गंभीर अस्पताल ले जाते समय मौत प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम पुलिस और जांच-पड़ताल अनुसार, राकेश और उसके

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

त्योहारों पर सुरक्षा में ढिलाई नही´: आंवला में अफसरों को सख्त निर्देश

बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) बरेली, आंवला। आगामी त्योहारों के मद्देनजर आंवला कैंप कार्यालय पर SDM, CO और तहसीलदार सम`त प्रशासनिक अफसरों की अहम बैठक हुई। बैठक में स्पष्ट किया गया कि योगी सरकार की पहली प्राथमिकता जनसुरक्षा और सुशासन है। अधिकारियों को बाजारों में जाम रोकने, पुलिस गश्त बढ़ाने, फायर ब्रिगेड और NDRF-SDRF को अलर्ट रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही 112 सेवा को मुस्तैद रखने और बिजली, पानी व साफ-सफाई की व्यवस्था चाक-चौबंद करने के आदेश दिए गए ताकि सभी त्योहार शांति और सौहार्द से संपन्न हों।



तीन हजार रुपये के विवाद में युवक के सिर पर लोहे की रॉड से हमला, तीन पर एफआईआर

बरेली। (पं सत्यम शर्मा) ।सीबीगंज के तिलियापुर गांव में महज 3,000 रुपये के लेनदेन को लेकर आरिश नाम के युवक पर जानलेवा हमला कर दिया गया। परिजनों के अनुसार, 30 अक्टूबर की शाम दुकान से घर लौटते समय अरमान ने आरिश के सिर पर पीछे से लोहे की रॉड से वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। इसके बाद पहुंचे चांद और जाफिर ने भी उसके साथ जमकर मारपीट की। स्थानीय लोगों के जुटने पर हमलावर भागे और घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। आरिश की मां मुन्नो की शिकायत पर सीबीगंज पुलिस ने अरमान, चांद और जाफिर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



लघु सिंचाई के एक्सईएन पर दोहरी नौकरी और 40 लाख लेने का आरोप; अधिकारी ने बताया साजिश

बरेली। (पं सत्यम शर्मा) । लोक निर्माण विभाग के एरियर घोटाले के बाद अब लघु सिंचाई खंड के अधिशासी अभियंता (XEN) मनोज अग्रवाल पर सरकारी सेवा में रहते हुए निजी कंपनियों में काम करने का गंभीर आरोप लगा है। मुख्यमंत्री, लोकायुक्त और सतर्कता अधिष्ठान को भेजी शिकायत में दावा किया गया है कि उन्होंने 2013 से 2017 के बीच अवैतनिक अवकाश लेकर बजाज एनर्जी और निजी चीनी मिलों में एचआर जीएम के पद पर काम किया और 40 लाख रुपये से अधिक का भुगतान लिया। साक्ष्य के तौर पर उनके आयकर रिटर्न का हवाला देकर जांच की मांग की गई है। दूसरी ओर, अधिशासी अभियंता मनोज अग्रवाल ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि उन्होंने पारिवारिक कारणों से 2012 में इस्तीफा दिया था और 2017 में दोबारा सेवा ज्वाइन की थी; इस दौरान उन्होंने कोई सरकारी वेतन नहीं लिया।



उन्होंने कहा कि अगले साल उनकी सेवानिवृत्ति है, जिसके चलते साजिश के तहत झूठी शिकायतें कर दुष्प्रचार किया जा रहा है। मामले में आधिकारिक जांच रिपोर्ट आना अभी बाकी है।

किसान पब्लिक इंटर कॉलेज में मेधावी विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

अर्धवार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मिली शील्ड और मेडल



@ क्यूँ न लिखूँ सच

कुन्दरकी । किसान पब्लिक इंटर कॉलेज में सोमवार को अर्धवार्षिक परीक्षा का परीक्षाफल घोषित किया गया। इस अवसर पर अपनी-अपनी कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले पांच-पांच मेधावी छात्र-छात्राओं को शील्ड एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुन्दरकी थाने के कार्यवाहक थानाध्यक्ष जोगेंद्र तेवतिया ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कॉलेज की छात्रा उदिता शर्मा को एक दिन का थाना अध्यक्ष बनाए जाने पर भी बधाई दी।

कॉलेज प्रबंधक आरिफ मोहम्मद पाशा ने कहा कि निरंतर परिश्रम और मेहनत से ही जीवन में निर्धारित लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। विद्यार्थियों को अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए अभी से पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करनी चाहिए।

प्रधानाचार्य मुताहिर अली खान ने विद्यार्थियों को एकाग्रचित्त होकर शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही जीवन में अमूल्य परिवर्तन लाती है और व्यक्ति को सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ाती है। इस अवसर पर जितेंद्र सिंह राठी, सरफराज अली, अम्बर रजा, सैयद आसिफ हुसैन, इंतखाब आलम, हुस्न-ए-आलम, नदीम अहमद, सोनम कुरैशी, नरगिस फिरदौस, समरीन खान, मोहम्मद शमी, जमशेद आलम सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम का संचालन अरकान अली खान ने किया।

कन्या और स्त्रियां सदैव आदरणीय कृष्ण जन्म के प्रसंग पर गाई बधाईयाँ, आरी खेड़ा में श्रीमद् भागवत कथा



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । क्षेत्र के ग्राम आरीखेड़ा के शिव मंदिर प्रांगण में बाबा हरिदास जी के सानिध्य में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में कथा व्यास आचार्य शिव शंकर भारद्वाज ने कृष्ण जन्म का प्रसंग सुनाया। कथा प्रसंग की चर्चा में उन्होंने कहा जब-जब प्रभु के भक्तों पर, सीधे सच्चे लोगों, गौ और संतों पर पाप अत्याचार बढ़ता है तब धर्म की रक्षा के लिए प्रभु को किसी न किसी रूप में यहाँ आना पड़ता है। इसी प्रकार जब कंस का उत्पीड़न काफी बढ़ गया तब श्री हरि विष्णु ने कृष्ण के रूप में अवतार लिया उनका प्राकट्य जेल में हुआ उनके प्रभाव से उनके माता-पिता की बेड़ियां और जेल के ताले खुल गए और वासुदेव जी उन्हें सूप में रखकर यमुना पार गोकुल में ले जाने लगे। भादों मास की काली अंधेरी रात आसमान में घनघोर बादल बरस रहे थे

और जानलेवा बिजली कड़क रही थी माता यमुना का जलस्तर भी काफी बढ़ा हुआ था तक शेषनाग ने अपने फन को वासुदेव के ऊपर लगा दिया ताकि बालकृष्ण भगवान वर्षा से सुरक्षित रहें इस दौरान यमुना जी ने भी इस शुभ अवसर का लाभ उठाने में देर नहीं की और जलस्तर बढ़ाकर बालकृष्ण के चरण स्पर्श किए। गोकुल पहुंचते ही माता यशोदा के यहां खुशी का वातावरण हुआ पूरे नगर में बधाइयां गईं- नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की, ,,,,इधर जब कंस को पता लगा देवकी के गर्भ से संतान उत्पन्न हुई है तो वह पहले की तरह उसका वध करने पहुंच गया तो उस कन्या को उसने जैसे ही पृथ्वी पर पटकना चाहा तब उसके हाथ से छूटकर आकाश की ओर चली गई तब भविष्यवाणी हुई रे पापी कंस तुझे मारने वाला प्रकट हो चुका है। कथा व्यास ने कहा कन्या हमारे समाज में सदैव वंदनीय रही हैं यहां तक कि घरों में उन्हें डांटना फटकारना भी अनुचित माना जाता है समझदार लोग कन्या के जन्म लेने पर उसे लक्ष्मी का आगमन मानते हैं उसका सम्मान करते हैं उसके पैरों की छाप जिसे हम टैटू बोलते हैं कपड़े पर लेकर अपने आप को सौभाग्यशाली मानते हैं वही कन्या आगे चलकर विवाहोपरांत जब दूसरे घर में पहुंचती है तो वह लक्ष्मी के रूप में प्रवेश करती है। कथा के माध्यम से व्यास जी ने संदेश दिया हमेशा कन्याओं और स्त्रियों का मन से आदर करना चाहिए इससे माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

सर्वधर्म एकता के साथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय के कक्ष का निर्माण शुरू

विधायक निधि से होगा निर्माण, सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने एक-एक ईंट रखकर किया शुभारंभ



बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । शाहाबाद रोड स्थित बाबा लक्ष्मण दास की मणि पर प्रस्तावित आयुष एवं आयुर्वेदिक चिकित्सालय के निर्माण की दिशा में पहल करते हुए बुधवार को एक कक्ष का निर्माण कार्य शुरू कराया गया। प्रथम विधायक स्वर्गीय हाजी मोहम्मद इरफान और नागरिक परिषद बिलारी के संरक्षक स्वर्गीय डॉ. राकेश रफीक की स्मृति में बनने वाले इस कक्ष का निर्माण विधायक मोहम्मद फहीम इरफान की विधायक निधि से कराया जा रहा है।

निर्माण कार्य के शुभारंभ पर सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने एक-एक ईंट रखकर सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। इस अवसर पर सभासद देवेश शर्मा, राकेश जैन, संजय जैन, शकील अहमद साबरी, राहत जान, प्रधान माजिद हुसैन अंसारी, चौधरी उदय पाल सिंह, डॉ. झरना रफीक, सभासद राकेश कुमार यादव तथा सरिया मिल के पंडित हरीश तिवारी सहित अन्य लोगों ने ईंट रखकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान निर्माण कार्य कराने वाले ठेकेदार भी मौजूद रहे। आयुर्वेदिक अस्पताल बिलारी की चिकित्सा अधिकारी डॉ. ज्योति चौधरी ने कहा कि कक्ष का निर्माण पूरा होते ही यहां नियमित रूप से अस्पताल का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। डॉ. झरना रफीक ने कहा कि चिकित्सालय के निर्माण में सभी धर्मों के समाजसेवियों ने नींव रखने में योगदान दिया है। सामाजिक एकता का यह दृश्य देखकर उनके पिता का सपना साकार होता दिखाई दे रहा है। मुख्य अतिथि सभासद देवेश शर्मा और सभासद राकेश कुमार यादव ने कहा कि नगर पालिका परिषद बिलारी की ओर से चिकित्सालय के निर्माण में जो भी आवश्यकता होगी, उसे पूरा कराने के लिए हरसंभव सहयोग दिलाया जाएगा। शंकर सहाय हर सहाय इंटर कॉलेज की पूर्व प्रधानाचार्य राबिया अकबर ने चिकित्सालय के लिए एक कमरा बनवाने में सहयोग देने की इच्छा जताई।

नागरिक परिषद के संरक्षक शकील अहमद साबरी और राकेश जैन ने कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट रहकर प्रयास करें तो अस्पताल के निर्माण में कोई बाधा नहीं आएगी। प्रधान माजिद हुसैन अंसारी ने कहा कि चिकित्सालय बनने से क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। नागरिक परिषद के फैसल रजा ने कहा कि सभी लोग मिलकर अस्पताल के निर्माण में सहयोग करेंगे और आयुष चिकित्सालय का निर्माण पूरा होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वर्गीय डॉ. राकेश रफीक की पत्नी डॉ. मीनाक्षी सखी ने की। उन्होंने कहा कि नागरिक परिषद के कार्यकर्ताओं की एकजुटता के कारण ही आज एक कक्ष का निर्माण कार्य शुरू हो सका है। सभी लोग इसी तरह एकजुट रहे तो शीघ्र ही आयुष चिकित्सालय का निर्माण भी संभव होगा। कार्यक्रम का संचालन नागरिक परिषद बिलारी के संयोजक डॉ. जितेंद्र दक्ष ने किया।इस मौके पर पूर्व सभासद कासिम अंसारी, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जैन, डॉ. वर्णिका, सपा नेता अफरोज जहां, संरक्षक मास्टर लटूरी सिंह, प्रदीप कुमार वर्मा, रंजीत यादव, मास्टर उदय पाल सिंह, हसीब अहमद, चौधरी रक्षित सिंह, अरिहंत जैन, रघुनाथ शरण सक्सेना, प्रधान अनीश अहमद, राजदीप सिंह, नोमान जमाल, मौविन अहमद, साधुशरण, संकल्प सक्सेना, रईस अहमद, राशिद सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

लक्ष्मी जी चीनी मिल ने गन्ना समिति को भेजा एक लाख कुंतल गन्ने का इंटेंट

बिलारी **क्यूँ न लिखूँ सच** । लक्ष्मी जी चीनी मिल प्रबंधन ने सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड बिलारी को चालू सत्र के लिए एक लाख कुंतल गन्ने का इंडेंट भेजा है। गन्ना समिति कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार चार और पांच नवंबर के लिए दो दो हजार, छह और सात नवंबर को 50-50 हजार कुंटल गन्ने की मांग की गई है जिसके सापेक्ष किसानों को पर्चियां जारी की जा रही है। इसके अलावा वीनस शुगर मिल मजावली का पेराई सत्र आरंभ हो चुका है वहां भी गन्ने की आपूर्ति की जा रही है।



युवा उत्सव में प्रतिभा प्रदर्शन का मिलेगा अवसर, पांच नवंबर को होगा आयोजन

लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला और कविता लेखन प्रतियोगिताएं होंगी मुरादाबाद । जनपद के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से पांच नवंबर को जनपद स्तरीय एक दिवसीय युवा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम आरएसडी एकेडमी, रामगंगा विहार, मुरादाबाद में आयोजित होगा।जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में आयोजित होने वाले इस युवा उत्सव में विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ने बताया कि उत्सव के अंतर्गत लोकनृत्य (समूह), लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग तथा कविता लेखन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें जनपद के प्रतिभाशाली युवा अपनी कला एवं रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि युवा उत्सव में प्रतिभाग करने के लिए युवाओं की आयु 15 से 29 वर्ष के मध्य होना अनिवार्य है। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने, सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ने तथा अपनी कला को मंच प्रदान करने का अवसर उपलब्ध कराना है।

कुंदरकी विधायक के प्रतिनिधि ने दिवंगत किसानों के आश्रितों को सौंपे पांच पांच लाख सहायता राशि के चेक

बिलारी । तहसील सभागार में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत दुर्घटना में दिवंगत किसानों के पात्र आश्रित परिवारों को आर्थिक सहायता राशि वितरण किया गया। जिसमें कुंदरकी विधायक प्रतिनिधि बृजानंद उर्फ विक्की ठाकुर ने 5-5 लाख की आर्थिक सहायता राशि के चेक वितरित किए तथा शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। विधायक प्रतिनिधि ने कहा परिवार के सदस्य को खोने का दुःख अत्यंत पीड़ादायक होता है। ऐसे कठिन समय में आर्थिक सहायता प्रभावित परिवारों को कुछ हद तक संबल प्रदान करती है। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को सहायता उपलब्ध कराना सरकार की किसान हितैषी एवं कल्याणकारी योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को आवश्यकता के समय सहायता उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों और उनके परिवारों के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर एसडीएम बिलारी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कुंदरकी गुलाम जिलानी, नफीसुल हसन, दिवंगत किसानों के परिजन आदि रहे।





एक किलो से अधिक चरस पकड़ी, एक गिरफ्तार

बिलारी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** । कोतवाली पुलिस ने चरस सहित आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 1105 ग्राम चरस मिली। पुलिस के अनुसार आरोपी पर पहले से ही कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान मोहल्ला अंसारियान के कब्रिस्तान के पास से मंसूर पुत्र मंजूर को गिरफ्तार किया। आरोपी पर आर्म्स एक्ट के दो मुकदमे सहित अन्य केस भी बिलारी थाने में दर्ज हैं। आरोपी पर पुलिस ने मादक पदार्थ अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

जनपद के युवाओं को रोजगार की बड़ी सौगात, 962 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



जालौन (नीरज कुमार)उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय, उरई द्वारा दयानन्द वैदिक कॉलेज के मुख्य परिसर में वृहद रोजगार मेला-2026 का भव्य आयोजन किया गया। मेले में लगभग 1510 युवाओं एवं रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया, जिनमें से विभिन्न नियोजक संस्थाओं द्वारा 962 अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन किया गया। मेले का उद्देश्य युवाओं को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें प्रतिष्ठित संस्थानों से जोड़ना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक डॉ. घनश्याम अनुरागी, जिलाधिकारी समीर एवं मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह ने फीता काटकर किया। इस दौरान अतिथियों ने विभिन्न नियोजक संस्थाओं के स्टॉलों का अवलोकन कर उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी ली।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि रोजगार मेले युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और रोजगार प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। विधायक विनोद चतुर्वेदी ने युवाओं को कौशल विकास के साथ उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

जिलाधिकारी समीर ने कहा कि वर्तमान समय तकनीकी परिवर्तन एवं प्रतिस्पर्धा का युग है। युवाओं को परंपरागत शिक्षा के साथ कंप्यूटर एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान भी अर्जित करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से शासन की रोजगारपरक योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी योग्यता के अनुरूप अवसरों का चयन करने तथा आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजेश चंद्र पांडेय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिला सेवायोजन अधिकारी आलोक मिश्र ने रोजगार मेले के उद्देश्यों एवं सेवायोजन विभाग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए अभ्यर्थियों को उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य डॉ. बाबूलाल तिवारी के प्रतिनिधि मयंक त्रिपाठी, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, आईटीआई प्रधानाचार्य मानसिंह भारती सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में युवा अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता व एसएसपी नें यातायात बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बदायूं - एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स, बदायूँ में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मा0 श्री महेश चन्द्र गुप्ता जी, सदर कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ सुश्री अंकिता शर्मा द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, वाहन चालकों एवं आमजनमानस को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा यातायात नियमों का पालन करके ही सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लायी जा सकती है इस अवसर पर सभी को दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने, सदैव अपनी निर्धारित लेन में चलने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, स्टंट बाइकिंग से बचने, प्रेशर हॉर्न एवं मॉडिफाइड साइलेंसर का प्रयोग न करने तथा सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही चौराहों पर सावधानी बरतने एवं वाहन चलाते समय धैर्य और संयम बनाए रखने की अपील की गई तत्पश्चात मा0 श्री महेश चन्द्र गुप्ता जी, सदर विधायक बदायूँ एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ सुश्री अंकिता शर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स से %यातायात जागरूकता बाइक रैली% को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली पुलिस लाइन ग्राउंड से प्रारम्भ होकर पुलिस लाइन चौराहा, इन्द्रा चौक, लावेला चौक एवं जेल तिराहा होते हुए पुन: पुलिस लाइन पहुंचकर सम्पन्न हुई। रैली के माध्यम से आमजनमानस को यातायात नियमों के पालन, सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया गया कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ0 हृदेश कठेरिया, एसडीएम सदर श्री साई आश्रित शाखमुरी, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर श्री सुमेध मिलिंद जाधव, एआरटीओ बदायूँ श्री हरिओम गौतम, प्रभारी निरीक्षक यातायात श्री मनोज कुमार वर्मा, समस्त टीएसआई गण एवं यातायात पुलिस का स्टाफ, ऑटो एवं ई-रिक्शा चालक, पुलिस मॉडर्न स्कूल बदायूँ के विद्यार्थी, राजकीय इंटर कॉलेज बदायूँ के एनसीसी कैडेट्स, आमजनमानस तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे आमजनमानस से अपील की जाती है कि यातायात नियमों का पालन स्वयं भी करें तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। आपका एक छोटा सा प्रयास अनमोल जीवन की रक्षा कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

सहपऊ सड़क हादसा: बाइक-मोपेड की आमने-सामने भिड़ंत, महिला समेत दो घायल

नगला मौजी तिराहे के पास बाग के निकट दोनों वाहन टकरा गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। उपचार के बाद रघुराज को छुट्टी दे दी गई, जबकि प्रियंका का उपचार जारी है।सहपऊ के गांव नगला मौजी मार्ग पर सोमवार दोपहर बाइक और मोपेड की आमने-सामने टक्कर में प्रियंका निवासी नगला मौजी और रघुराज निवासी नगला भोलू घायल हो गए। रघुराज मोपेड से खाली बोरियां लेकर आ रहा था, जबकि प्रियंका अपने पति के साथ बाइक से गांव लौट रही थीं।नगला मौजी तिराहे के पास बाग के निकट दोनों वाहन टकरा गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। उपचार के बाद रघुराज को छुट्टी दे दी गई, जबकि प्रियंका का उपचार जारी है। कोतवाली प्रभारी मयंक चौधरी ने बताया कि मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

एक लाख रुपये की रिश्वत लेते प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का जेई विजिलेंस के हत्थे चढ़ा

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में तैनात अवर अभियंता (जेई) सलमान को विजिलेंस टीम ने एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। आरोपी मूलरूप से मेरठ जिले का निवासी है और बांदा में आवास विकास कॉलोनी स्थित एलआईसी बिल्डिंग के पीछे रहता हैपकड़े गए जेई की पहचान सलमान पुत्र नसरुद्दीन निवासी मकान नंबर 235, रसूलपुर, औरंगाबाद, थाना भावनपुर, जिला मेरठ के रूप में हुई है। वह बांदा स्थित उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में तैनात था। विजिलेंस टीम ने उसे एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मुरादाबाद में 24 वर्षीय महिला लापता, दो छोटे बच्चों को घर छोड़कर निकली इल्मा परवीन का नहीं लगा सुराग

@ क्यूँ न लिखूँ सच



मुरादाबाद (सिकंदर राजा) मझोला थाना क्षेत्र के मीना नगर से 24 वर्षीय महिला के लापता होने का मामला सामने आया है। महिला की पहचान इल्मा परवीन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह 1 नवंबर को किसी काम से घर से निकली थी, लेकिन देर तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद महिला के पति अमन ने मझोला थाने पहुंचकर पत्नी की गुमशुदगी दर्ज कराई है। वहीं, महिला के पिता ने बताया कि परिवार में किसी तरह का विवाद नहीं था और उनकी बेटी अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़कर गई है। दरअसल, पूरा मामला मुरादाबाद के मीना नगर का है, जहां रहने वाले अमन ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी पत्नी इल्मा परवीन 1 नवंबर को किसी काम से घर से बाहर गई थी। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में भी खोजबीन की गई, लेकिन इल्मा का कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद सोमवार को पति अमन ने मझोला थाने में पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। बाइट- इसरार हुसैन (महिला के पिता) वीओ-2- वहीं, इल्मा के पिता इसरार हुसैन का कहना है कि उनकी बेटी का परिवार में किसी से कोई झगड़ा नहीं था और न ही उनके सामने घर छोड़कर जाने की कोई वजह थी। उन्होंने बताया कि इल्मा के दो छोटे बच्चे हैं, जिन्हें वह घर पर छोड़कर गई है। फिलहाल परिवार बेटी की सकुशल वापसी की उम्मीद लगाए हुए है। पीटीसी- फिलहाल 24 वर्षीय इल्मा परवीन के लापता होने के बाद परिवार परेशान है। पति की ओर से मझोला थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई है। अब परिजनों को पुलिस की कार्रवाई और महिला के सकुशल मिलने का इंतजार है।

शाहजहांपुर में दर्दनाक घटना: पेड़ गिरने से उखड़े बिजली के खंभे, दादी के सामने मासूम पोती की दबकर मौत





मदनापुर क्षेत्र के बंधा गांव में सोमवार सुबह पेड़ काटते समय दर्दनाक हादसा हो गया। काटा गया पेड़ गिरने से बिजली के खंभे गिर गए। एक खंभे के नीचे दबकर छह साल की बच्ची की मौत हो गई। हादसे के बाद उसके परिवार में कोहराम मच गया।

शाहजहांपुर के मदनापुर थाना क्षेत्र के बंधा गांव में सोमवार सुबह पेड़ कटाई के दौरान सूखा आम का पेड़ बिजली के तारों पर गिर गया। इससे हाईटेंशन लाइन के चार खंभे उखड़कर जमीन पर जा गिरे। इसी दौरान दादी के साथ खेत से लौट रही छह वर्षीय प्रतीक्षा उर्फ नायरा एक खंभे के नीचे दब गई। दादी के सामने ही उसकी मौके पर मौत हो गई। परिजनों ने पेड़ कटाई करा रहे ठेकेदार पर सुरक्षा इंतजाम नहीं करने का आरोप लगाया है।

बच्ची के पिता मनोज कुमार मौर्य ने बताया कि वह राजमिस्त्री का काम करते हैं। सोमवार सुबह करीब साढ़े छह बजे उनकी बेटी प्रतीक्षा अपनी दादी माया देवी और चचेरे भाई नितिन के साथ घर से करीब 100 मीटर दूर खेत की ओर गई थी। इसी दौरान विजय पाल के खेत में ठेकेदार नीम, आम और शीशम के पेड़ों की कटाई करा रहा था। एक सूखा आम का पेड़ बिजली के तारों पर गिर गया। पेड़ के गिरने से बिजली के चार खंभे ट्रांसफॉर्मर समेत उखड़ गए। इनमें से एक खंभा प्रतीक्षा के ऊपर गिर गया।डेढ़ घंटे दबी रही मासूम

परिजनों के अनुसार, हादसे के बाद बिजली आपूर्ति बंद कराने के लिए निगम को सूचना दी गई,

लेकिन करीब 30 मिनट बाद आपूर्ति बंद हुई। इसके बाद भी मासूम करीब डेढ़ से दो घंटे तक खंभे के नीचे दबी रही। इसके बाद उसे निकाला गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। परिजनों ने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।सीओ सदर शुभम वर्मा ने बताया कि परिजनों को समझाकर बालिका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।दीपावली से पहले रूठ गई घर की लक्ष्मी मनोज कुमार मौर्य ने रोते हुए कहा कि घर में खुशी का माहौल था, लेकिन हादसे ने सब कुछ छीन लिया। उन्होंने बेटी की मौत के लिए पेड़ कटाई करा रहे ठेकेदारों को जिम्मेदार बताते हुए कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि पेड़ कटाई की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर आती है, लेकिन ठेकेदारों से खर्चा-पानी लेकर लौट जाती है। उनका कहना है कि सुरक्षा मानकों पर ध्यान नहीं दिया जाता।

शव उठाने से बाबा ने किया इन्कार-हादसे के बाद ग्रामीणों ने मौके पर हंगामा किया। बच्ची के बाबा नरवीर मौर्य ने पोती का शव उठाने से इन्कार कर दिया। प्रभारी निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह ने परिजनों और ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। परिजनों ने बताया कि प्रतीक्षा तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। उसका तीन वर्षीय भाई ईशू और तीन माह की छोटी बहन है। मां नीतू देवी का रो-रोकर बुरा हाल था।ठेकेदार की बाइक में तोड़फोड़-ग्रामीणों के अनुसार, हादसे के बाद ठेकेदार बाइक और ट्रैक्टर मौके पर छोड़कर चला गया। नाराज ग्रामीणों ने ठेकेदार की बाइक में तोड़फोड़ कर दी। पेड़ गिरने से एक अन्य बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।

मिशन सम्पूर्ण समाधान: योगी सरकार की मंशा के अनुरूप 01 माह में 475 जनसमस्याओं का हुआ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, कड़े प्रशासनिक पहरे में मिला न्याय

@ क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनहितैषी विजन, %जीरो टॉलरेंस% नीति और त्वरित निस्तारण के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए जिला प्रशासन ने आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है। प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता वाली जनसुनवाई एवं शिकायत निवारण व्यवस्था के तहत जिले में संचालित %मिशन सम्पूर्ण समाधान% विशेष अभियान के जरिए बीते 01 माह में चारों तहसीलों के अंतर्गत कुल 475 शिकायतों का शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया गया है। जिलाधिकारी श्री अनुनय झा के नेतृत्व में चल रहे इस सघन अभियान का सीधा उद्देश्य जनता को बेवजह दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्ति दिलाना और पात्र व पीड़ित व्यक्तियों तक शासन की जनकल्याणकारी व्यवस्था का सीधा लाभ पहुंचाना है।प्रतिदिन न्यूनतम 05 निस्तारण का कड़ा नियम और सीधी प्रशासनिक निगरानी-जनसमस्याओं के समाधान की गति और गुणवत्ता को सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने स्पष्ट कार्ययोजना लागू की है। इसके तहत जिले की चारों तहसीलों में प्रत्येक कार्यदिवस पर कम से कम 05 प्राथमिक शिकायतों का अंतिम व संतोषजनक समाधान अनिवार्य किया गया है। जिलाधिकारी स्वयं हर तहसील से प्रतिदिन निस्तारित होने वाले इन न्यूनतम 05 मामलों की प्रगति रिपोर्ट तलब कर रहे हैं और गुणवत्ता की सीधी समीक्षा कर रहे हैं। इस सतत निगरानी व्यवस्था का असर यह हुआ कि बीते 01 माह में कुल 475 मामले निर्णायक रूप से हल हुए, जिनमें तहसील कांठ में सर्वाधिक 130, तहसील ठाकुरद्वारा में 125 तथा तहसील सदर व बिलारी में 110-110 शिकायतों का निस्तारण किया गया।386 भूमि-राजस्व और 74 राशन-आपूर्ति विवाद सुलझे-अभियान की सफलता विभिन्न विभागों के आपसी तालमेल और सक्रिय सहभागिता में दिखाई दे रही है। निस्तारित कुल 475 मामलों के विभागवार आंकड़ों पर गौर करें तो सर्वाधिक 386 मामले अकेले राजस्व विभाग से जुड़े रहे, जिन्हें प्राथमिकता पर सुलझाया गया। इसके पश्चात खाद्य एवं रसद (पूर्ति) विभाग की 74 शिकायतों का प्रभावी समाधान किया गया। इसके अतिरिक्त ग्रामीण विकास से जुड़ी 05, समाज कल्याण विभाग की 03, विद्युत आपूर्ति से संबंधित 02 शिकायतों का सफल निस्तारण हुआ। वहीं पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य महकमे, बेसिक व माध्यमिक शिक्षा, कृषि विभाग तथा स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग की भी एक-एक शिकायत को निस्तारित कर जनता को राहत पहुंचाई गई। मौके पर जांच और साक्ष्यों के आधार पर फैसला-योगी सरकार के पारदर्शी शासन मॉडल के अनुरूप शिकायतों के निस्तारण में केवल कागजी औपचारिकता पूरी करने की पुरानी प्रवृत्ति पर पूरी तरह अंकुश लगाया गया है। जिलाधिकारी के सख्त निर्देशों के तहत हर शिकायतकर्ता की मूल समस्या की तह तक पहुंचकर उसका स्थायी समाधान निकाला जा रहा है। इसके लिए विभागीय अधिकारी सबसे पहले संबंधित प्रकरणों का बारीकी से अभिलेखीय परीक्षण करते हैं, आवश्यकता पड़ने पर राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीमें धरातल पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करती हैं तथा सभी संबंधित पक्षों को आमने-सामने बैठाकर उनकी बात सुनती हैं। विधिक नियमों के दायरे में रहकर साक्ष्यों के आधार पर ही अंतिम कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।लापरवाही और अनावश्यक विलंब पर सख्त चेतावनी जिलाधिकारी श्री अनुनय झा उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर बरती जाने वाली हीलाहवाली, लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रत्येक शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता का फीडबैक और उसकी संतुष्टि ही कार्रवाई की सफलता का अंतिम मानक तय करेगी।

Serve your guests something special this Diwali! Make this spicy 'Samosa Chaat' with sweets, everyone will ask for the recipe.

If you're craving something spicy with sweets this Diwali, be sure to make samosa chaat at home this Diwali. Welcome guests home this Diwali with a delicious treat that will delight everyone. This time, add to the festive spirit by making a spicy samosa chaat with sweets. The combination of crispy samosas, spicy potatoes, green chutney, sweet tamarind chutney, yogurt, pomegranate seeds, and sev makes it special. Its sour, sweet, and spicy flavor will be enjoyed by everyone, from children to adults. Let's know its recipe. Ingredients for making Samosa Chaat: Maida- 1 cup Ghee or oil- 3 tbsp Ajwain- half tsp Salt- as per taste Water- as per requirement Boiled potatoes- 3 medium sized Boiled green peas- half cup Cumin seeds- half tsp Ginger- 1 tsp, finely chopped Green chilli- 1 finely chopped Turmeric- one fourth tsp Coriander powder- 1 tsp Garam masala- half tsp Dry mango powder- half tsp Oil- for frying samosas Whipped curd- 1 cup Finely chopped onion- half cup Finely chopped tomato- half cup Green chutney- 4 tbsp Red chutney- 3 tbsp Sweet tamarind chutney- 4 tbsp Pomegranate seeds- half cup Sev- half cup Chaat masala- 1 tsp Roasted cumin powder- half tsp Green coriander- for garnishing Method of making Samosa Chaat: 1- First of all add salt, ajwain and ghee in the flour and mix well. 2- Knead a stiff dough by adding water little by little and Cover and let stand for 20 minutes. 3. Heat some oil in a pan. Add cumin seeds, ginger, and green chilies and fry. Add peas, mashed potatoes, turmeric, coriander powder, garam masala, dry mango powder, and salt and cook for 3-4 minutes. Let the mixture cool. 4. Roll out the dough into two halves and shape them into cones. Fill them with the potato-pea stuffing and seal the edges with water. 5. Fry the samosas over medium-high heat until golden and crispy. 6. For the red chutney, soak 6-8 dried red chilies in hot water. Grind them with 4 garlic cloves, a little salt, 1 teaspoon lemon juice, and water as needed. 7. For the green chutney, grind half a cup of coriander leaves, half a cup of mint leaves, 2 green chilies, 1 teaspoon lemon juice, a little salt, and a little water. 8. For sweet tamarind chutney, combine half a cup of tamarind pulp with 3-4 tablespoons of jaggery, half a teaspoon of roasted cumin powder, a little dry ginger powder, and salt. Cook with a little water for 5-7 minutes. Once cooled, the chutney will thicken and become more delicious. 9. Place two samosas on a plate and break them slightly. Top with a little of the hot spicy potato-pea stuffing and boiled chickpeas. 10. Add whipped yogurt. Then, top with green chutney, red chutney, and sweet tamarind chutney. 11. Sprinkle finely chopped onion, chaat masala, and roasted coriander-cumin powder. Finally, garnish with pomegranate seeds, sev, and coriander leaves. Your spicy samosa chaat is ready.



They sulk if they don't receive praise, and get angry if you ask them a question! How does the narcissistic mind work?

New research has revealed that narcissistic people's brains may be less in sync during uncomfortable or embarrassing situations. We all encounter situations that make us feel uncomfortable or embarrassed, but have you ever wondered how the brains of those who overestimate themselves work during such moments? New research has revealed this mystery. Mental Coordination Decreases During Uncomfortable Moments - A recent study has revealed the interesting fact that narcissistic people's brains may be less in sync during uncomfortable or embarrassing situations. Finnish researcher Mattias Piispanen reported that people with high narcissistic traits react to the sensitive experiences of others in a completely different way than ordinary people. The way of communication and understanding is different. According to research, when narcissistic people interact with others, their way of connecting is different. They can focus on different aspects of the discussion and interpret everything happening around them in their own unique way. What is narcissism? Narcissism is a personality disorder in which a person constantly thinks excessively about themselves and considers themselves superior to others. Their greatest desire is to be praised. Previous studies have also proven that people with this personality often have a reduced ability to understand the pain of others. How did this unique study happen? Experts say that it is still not completely clear how the brain functions behind narcissistic behavior in complex real-life social situations. To understand this, this research examined how these traits affect brain activity in everyday situations. In this process, participants were shown videos of a person telling stories, and then their reactions were recorded.



This spicy Paneer Ghotala recipe originates from the streets of Surat. Once you try it, you'll want to make it again and again.

The easy recipe for Paneer Ghotala, a famous street food from Surat, involves mashed paneer and preparing it quickly. You've likely eaten paneer in countless variations, including Shahi Paneer, Palak Paneer, Paneer Masala, and Paneer Tikka. But have you tasted Paneer Ghotala, a famous street food from Surat? If not, let us share a recipe for Paneer Ghotala, which can be prepared in no time. Paneer Ghotala Recipe - Paneer Ghotala is prepared like Bhurji, but its biggest difference is that the paneer is mashed thoroughly, which is why it's called Ghotala. Let's know its recipe: Ingredients - 200 grams paneer, 2 cubes of cheese, 1-2 finely chopped green chilies, 2 medium-sized tomatoes, 1 finely chopped green capsicum, 1/4 cup cream, 1/2 inch ginger, 2 tablespoons finely chopped coriander, 2 tablespoons oil, 2 tablespoons butter, 1/2 teaspoon cumin seeds, 1/2 teaspoon coriander powder, 1/4 teaspoon teaspoon red chili, 1/4 teaspoon turmeric, 1/4 1/4 teaspoon garam masala, 1 tablespoon kasuri methi, salt to taste Method - To make paneer ghanta, heat 2 tablespoons of oil in a pan, then add 1/2 teaspoon cumin seeds and fry them. After this, add 1/4 teaspoon turmeric, 1/2 teaspoon coriander powder, and 1 tablespoon kasuri methi. After frying them on low flame for 1 minute, add 1/2 inch ginger, 2 medium-sized tomatoes, and 1-2 finely chopped green chilies. Now cook the spices on medium flame until they release oil. While spices are roasting, grate 200 grams of paneer. Along with this, grate 2 cubes of cheese and add it to the vegetable. In this step, mix 1/4 teaspoon red chili with 1 finely chopped green capsicum. Cook this also on low flame for at least 1 minute. When the masala starts releasing oil, add grated paneer to it. After this, add 1/4 teaspoon garam masala and 1 tablespoon kasuri methi along with 2 tablespoons butter to the vegetable. After cooking the vegetable on low flame for 2-3 minutes, turn off the gas and add 2 tablespoons finely chopped coriander on top. In this way, your Surat special street food paneer ghatala is ready.



Ramayan will open with a collection of ?200 crore, Ranbir's film has earned crores in advance bookings.



Nitesh Tiwari's "Ramayana" stars Ranbir Kapoor as Lord Ram, Sai Pallavi as Sita, and Yash as Ravana. "Ramayana" will release on Diwali. The film is selling tickets in advance bookings - what will be the opening of this epic film? The most awaited film "Ramayana," starring Ranbir Kapoor, Sai Pallavi, and Yash, is set to hit theaters on November 5th. Advance bookings for the film began on October 20th, 15 days before its release. The ?4000 crore Ramayan is receiving an excellent response in advance bookings, which suggests a strong opening at the box office. Advance booking of 'Ramayana' - According to SACNILC, 2.50 (approximately) lakh tickets of the epic film directed by Nitesh Tiwari have been sold in advance across India, earning Rs 13.13 crore till now. If block booking is excluded, then Rs 10.54 crore has been earned from advance booking across the country. This film has earned approximately Rs 20 crore through advance booking worldwide. Hindi version is leading in pre-sales in the country. Film to open account with Rs 200 crore - According to the report, 'Ramayana' is expected to earn more than Rs 200 crore worldwide on the day of its release, which also includes paid previews on November 4. The film is estimated to gross over ?110 crore in India, of which around ?80 crore is expected to come from its Hindi version. About Ramayan Directed by Nitesh Tiwari and produced by Namit Malhotra and Yash, 'Ramayana' stars Ranbir Kapoor as Lord Rama, Sai Pallavi as Sita and Yash as Ravana. The film's star cast also includes Sunny Deol as Hanuman and Ravi Dubey as Lakshman, along with several other actors. This two-part film based on the Indian epic will release worldwide on November 5, 2026, with the second part planned for Diwali 2027.

Why has Sai Pallavi's portrayal of Sita sparked a debate? Questions have been raised about her look and makeup in the past.

Sai Pallavi's portrayal of Sita in Nitesh Tiwari's "Ramayana" has sparked a debate about her look. Sai Pallavi has spoken out on several occasions in the past. She believes in being more beautiful from within than from the outside. Trollers found her portrayal of Mother Sita imperfect. Directed by Nitesh Tiwari, "Ramayan" is soon to be released in theaters worldwide. Ranbir will be seen as Lord Ram, Yash as Ravana, the king of Lanka, and Sai Pallavi as Sita. While South star Yash is receiving praise for his portrayal of Ravana, Sai Pallavi is facing constant criticism for her portrayal of Mother Sita. Let's explore why some people are constantly trolling the actress as Sita, and what Sai Pallavi herself has to say about this. Why are people not considering Sai Pallavi as the right choice? - Ever since the trailer of Ramayana Part 1 was released, a section on social media was continuously calling her the wrong choice as Mother Sita. According to a report in India Today, more than her Hindi, trolls objected to the actress's curly hair, facial features, and acne. Many trolls said that Sai Pallavi doesn't match the image of Sita they've seen on TV and in books. Critics also trolled the actress, saying that while Sita evokes a sense of divine beauty, Sai Pallavi doesn't have that same feeling. This isn't the first time Sai Pallavi has appeared on screen without makeup. This isn't the first time Sai Pallavi's simple look and acne have become a topic of discussion. In 2015, when the Coimbatore, Tamil Nadu-born actress entered the acting world with the Malayalam film Premam, she feared people would judge her for her acne. The actress said in an interview, "When Premam came out, I was afraid that people would judge me without makeup." She was trolled for her look, but that didn't happen, and she embraced Malayalam cinema wholeheartedly. "I too have my fears" - Sai Pallavi - Sai Pallavi said in another interview, "I went without makeup in Premam, but after that, several directors asked her to apply some makeup. However, when she appeared in front of them, the directors said it didn't look like she was wearing makeup at all. When my cheeks would turn red in angry scenes, that was what was visible in the shorts. I believe beauty can never be defined by external appearance; rather, it's how you are on the inside that defines beauty." What influences the audience? - When asked about her look, Sai Pallavi clearly stated that she only likes to wear eyeliner because she feels it makes her eyes look bigger. Beyond that, she feels that people are only influenced by the character and how impressive it is. When someone asks me about my makeup, I don't understand at all. I'm a simple girl who might have pimples and acne on her face. Criticizing the excessive use of cosmetics, she cited her own sister as an example, saying that in her pursuit of color and beauty, she even eats fruits she doesn't like at all. Therefore, Sai Pallavi has embraced herself as she is. This is her personal choice. She keeps her thoughts pure: At an event related to Ramayana, Sai Pallavi spoke beyond her looks and makeup, something that won everyone's hearts. Sai Pallavi said, "Very few people get the opportunity to play such a character, and I am one of them. Playing the role of God is not easy, so I try my best to keep my thoughts absolutely pure. Only I know what I have gained from this role." When will the film Ramayana be released? Regarding the release date of Ramayana Part 1, directed by Nitesh Tiwari, the film will be released in two parts. The first part of this film will be released on Diwali. It will be released in 2026, while the second part will come next Diwali.



A 5-year-old comedy-drama has established itself on Netflix, trending at No. 1; boasts a robust rating of 8.7 on IMDb.

A 5-year-old, 8-episode series has taken over Netflix, taking the No. 1 spot. A 5-year-old series becomes No. 1 on Netflix - Comedy drama seizes No. 1 spot - 8-episode series takes over the platform. Every week, something new and entertaining is released on OTT platforms, and if audiences like it, it quickly becomes a part of the trending list. But this week, something different has happened, as a 5-year-old series is trending on Netflix. This comedy-drama is not only a part of the trending list but has also surpassed new releases to take the No. 1 spot. What is the story of the series? - The story of the comedy drama revolves around a middle-class family, in which an ordinary middle-class man, Bablu, suddenly wins a huge lottery. This changes the family's simple life overnight. Overjoyed by this sudden wealth, they begin to dream of a luxurious and comfortable life. Meanwhile, greedy neighbors and relatives treat them as if they were VIPs. Before they can fully capitalize on this wealth or establish their lives, tragedy strikes. Bablu is involved in a road accident, losing his memory. Amidst this turmoil in the family, his son tries to fulfill his dreams of becoming a singer. He also struggles with managing his relationships and the hilarious interference of strange relatives like Titu Mama. Will Bablu regain his memory? Will Bablu's son fulfill his dreams? Will the family's life get back on track? Or will the series leave a valuable lesson? This will only be revealed after watching the story. The series trending at number 1 is Dhindora, starring Bhuvan Bam in the lead role. Interestingly, Bhuvan himself plays all the characters in the family. The series consists of eight episodes and was released five years ago in 2021. Its second season is about to arrive, although the official release date hasn't been revealed. Meanwhile, the first season is currently trending on Netflix. About the series: Dhindora is a 2021 comedy-drama web series produced and starring Bhuvan Bam. It is directed by Himank Gaur.

